Observation regarding staging of Dharna and Protests at the gates of Parliament

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, सभी दलों से चर्चा करने के उपरांत यह सहमति बनी थी कि संसद भवन के किसी द्वार पर धरना और प्रदर्शन नहीं किया जाएगा । संसद भवन के द्वार के अवरुद्ध होने के कारण कई माननीय सदस्यों ने इस बारे में मुझे सामूहिक रूप से लिखकर दिया था कि रास्ता रुकने से उनको असुविधा होती है । विशेष रूप से, महिला सांसदों ने भी अलग से मुझे पत्र दिया था और यह निर्णय भी हुआ था कि हम किसी भी द्वार पर धरना और प्रदर्शन नहीं करेंगे, जिससे माननीय सदस्यों को आने-जाने में अवरोध न हो ।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आपके द्वारा लिए हुए निर्णय को हम सब कार्यान्वित करें । जो निर्णय और फैसले हो जाते हैं, उन निर्णयों और फैसलों को लागू करने में सामूहिक सहमति बने ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैं खुद आज वहां गया था । यह उचित नहीं है । इस बारे में आप सबसे सहमति बन चुकी थी, इसलिए जब सहमति बन गयी हो, तो उसको लागू करने की जिम्मेदारी भी सबकी है ।

? (व्यवधान)

_____